

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News



Book Marathon (15th November-15th January)
(ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

ISKCON is known for the literature entrenched in the transcendental mellows of bhakti. Standing the test of time to serve as the manual of practical life resulting in perfecting of human birth, Bhagavad-gita has been universally accepted as one of the most sublime and contemporaneous religious text. Shlokas accompanied with word to word translations as well as detailed purports are the unique selling points of the books written painstakingly by the Founder Acharya of ISKCON, Srila A.C Bhaktivedanta Swami Prabhupada. In these months, devotees take to the streets with a feeling of compassion driving them to distribute these holy texts, of which Bhagavad-gita is the primary one. Irrespective of weather, terrain, circumstance of any kind, devotees work extremely hard to participate in the Annual Book Marathon. This activity is 'twice blessed' as it not only benefits the receiver of this sublime literature but also elevates the distributor. Millions of books are distributed each year, which have been referred to as 'time bombs' due to their potency to change life and provide alleviation from the perils of material life.



समाचार



बुक मैराथन (15 नवंबर-15 जनवरी)
(इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

इस्कॉन भक्ति के दिव्यामृत से ओतप्रोत साहित्य हेतु जाना जाता है। समय की कसौटी पर खड़े होकर, व्यावहारिक जीवन की नियमावली के रूप में मानव जन्म के निहितार्थ को सार्थक करने वाली, श्रीमद-भगवद-गीता को सार्वभौमिक रूप से सबसे उदात्त और समकालीन धार्मिक पाठ के रूप में स्वीकार किया गया है। श्लोकों के शब्द दर शब्द अनुवाद के साथ-साथ विस्तृत भावार्थ इस्कॉन के संस्थापक आचार्य, श्रील ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद द्वारा लिखित पुस्तकों के अनूठे विक्रय बिंदु हैं। भक्त इन महीनों में, जिन पवित्र ग्रंथों के वितरण हेतु दया का भाव लिए सड़कों पर जाते हैं, उनमें भगवद-गीता प्रथम है। मौसम, इलाके एवं किसी भी तरह की परिस्थिति के उपरान्त भी, श्रद्धालु भक्त वार्षिक पुस्तक मैराथन में भाग लेने हेतु बहुत कड़ी मेहनत करते हैं। यह पुस्तक वितरण श्री भगवान् की प्दोहरी कृपा है क्योंकि यह न केवल इस उदात्त साहित्य के प्राप्तकर्ता को लाभ पहुंचाता है बल्कि साहित्य के वितरक को भी भक्ति में उन्नत करता है। प्रत्येक वर्ष लाखों पुस्तकें वितरित की जाती हैं, जिन्हें जीवन को बदलने और भौतिक जीवन की विकृतियों से मुक्ति प्रदान करने की उनकी क्षमता के कारण 'टाइम बम' के रूप में जाना जाता है।



Discover Your Permanent Happiness (From 1st Dec) (ISKCON, Dwarka)

The seven days seminar on "Discover Your Permanent Happiness" is being conducted by H.G. Amal Krishna Prabhu (Dr. Abhinav Grover, Asst. Professor JNU, Ph.D., M.Tech, B.Tech, IIT Delhi). Each seminar is designed specifically to answer all queries regarding the Supreme Personality of Godhead and our own existence. Practical tips for a peaceful life are given in these sessions. Every session is followed by a delicious lunch prasadam.

Preservation by Propagation (5th Dec 2019) (ISKCON, Punjabi Bagh)

A special discourse by H.G. Gauranga Darshan Prabhu, Dean of Bhaktivedanta Vidyapeeth at Govardhan Ecovillage, was organized. Gauranga Darshan Prabhu is known for his deep philosophical understanding and easy-to-understand presentations. He discussed the importance of propagation as a tool to preserve. The devotees really felt enriched with the enlightening and encouraging wisdom shared by him.

An evening dedicated to the Holy Names (6-7th Dec) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The devotee community was very elated in hosting H.H. Sachinandana Swami Maharaja for a special kirtan and discourse. The two-day visit was packed with thought provoking wisdom and heart touching kirtans by Maharaja. Maharaja's lecture on the evening of 6th December focused on the urgency of bhakti in the fleeting timespan of life. Maharaja is known to be a "japa scientist" within the community of devotees. He shared his experiences and realizations in respect to holynames and also stressed the importance of book distribution. The session left devotees highly nourished, happy and enthusiastic for devotional service.

Gita Yagya and Value Education Olympiad Felicitation (7th Dec 2019) (ISKCON, Punjabi Bagh)

The devotees participated in a mammoth Gita yagya which marks the anniversary of this most historical conversation between Lord Krishna and Arjuna on the battlefield of Kurukshetra. Over 500 devotees recited the entire Bhagavad-gita and offered fire sacrifice with every sloka. The event was made more special by the divine presence of H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja, H.H. Sachinandan Swami



अपनी स्थायी खुशी की खोज (1 दिसंबर से) (इस्कॉन, द्वारका)

श्रीमान अमल कृष्ण प्रभु (डॉ. अभिनव ग्रोवर, असिस्टेंट प्रोफेसर जेएनयू, पीएचडी, एम.टेक, बी.टेक, आईआईटी दिल्ली) द्वारा सात दिनों की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रत्येक संगोष्ठी को विशेष रूप से परम भगवान् एवं हमारे स्वयं के अस्तित्व के विषय में सभी प्रश्नों का उत्तर देने हेतु नियोजित किया गया था। इन सत्रों में शांतिपूर्ण जीवन हेतु व्यावहारिक सुझाव दिए गए। हर सत्र के बाद स्वादिष्ट लंच प्रसाद भी हुआ।

प्रचार द्वारा संरक्षण (5 दिसंबर 2019) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

गोवर्धन ईको-विलेज में भक्तिवेदांत विद्यापीठ के अध्यक्ष श्रीमान गौरांग दर्शन प्रभु द्वारा एक विशेष प्रवचन का आयोजन किया गया। गौरांग दर्शन प्रभु अपनी गहन दार्शनिक समझ एवं सरल प्रस्तुतियों हेतु विख्यात हैं। उन्होंने संरक्षण हेतु प्रचार के महत्व पर चर्चा की। भक्तों ने वास्तव में उनके द्वारा साझा किये गए ज्ञान एवं उत्साहवर्धन से समृद्ध एवं प्रबुद्ध अनुभव किया।

एक शाम पवित्र हरिनाम के नाम (6-7 दिसंबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

एक विशेष कीर्तन और प्रवचन हेतु परम पूज्य सचिनंदन स्वामी महाराज की मेजबानी को भक्त समुदाय बहुत आतुर एवं उत्साहित था। महाराज जी की दोदिवसीय यात्रा विचारोत्तेजक ज्ञान एवं हृदयस्पर्शी कीर्तन से पूर्णतः लबालब थी। 6 दिसंबर की शाम को महाराज का व्याख्यान जीवन के क्षणभंगुर समय में भक्ति की तात्कालिकता पर केंद्रित था। महाराज जी को भक्तों के समुदाय में एक प्जपा वैज्ञानिक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने पवित्र हरिनाम के संबंध में अपने अनुभव और प्रतीति के विषय में विचार साझा किए और पुस्तक वितरण के महत्व पर भी बल दिया। सत्र ने भक्तों को भक्ति और सेवा हेतु अत्यधिक खुशी, पोषण एवं उत्साह से भर दिया।

गीता यज्ञ एवं मूल्य शिक्षा ओलंपियाड सम्मान समा. रोह (7 दिसंबर 2019) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

भक्तों ने एक विशाल गीता यज्ञ में भाग लिया, जो कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच इस सबसे ऐतिहासिक बातचीत की सालगिरह का प्रतीक है। 500 से अधिक भक्तों ने सम्पूर्ण भगवद-गीता का पाठ किया और हर श्लोक के साथ यज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज, परम पूज्य सचिनंदन स्वामी महाराज और परम पूज्य भक्ति माधुर्य गोविंद स्वामी महाराज एवं अन्य प्रभुपाद शिष्यों की दिव्य उपस्थिति के कारण और अधिक विशेष बन गया। यज्ञ के बाद विभिन्न प्रायोजकों और योगदानकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया जो प्रतिवर्ष मेराथन के समय मंदिर की मदद करते हैं। इसके बाद इस्कॉन पंजाबी बाग द्वारा आयोजित मूल्य शिक्षा ओलंपियाड सम्मान समारोह में पुरस्कार वितरण किया गया, जिसमें दिल्ली के 22 स्कूलों से 6,000 से अधिक छात्रों ने भागीदारी की। ओलंपियाड के शीर्ष 10 विजेताओं को सम्मानित किया गया और आकर्षक पुरस्कार (लैपटॉप, साइकिलें और किंडल आदि) सौंपे गए। छात्रों ने ओलंपियाड की तैयारी के दौरान अपने अनुभव भी साझा किए और उनके माता-पिता खुश थे कि उनके बच्चे इस पहल के माध्यम से जीवन के महत्वपूर्ण मूल्यों को सीख रहे हैं।

Maharaja and H.H. Bhakti Madhurya Govind Swami Maharaja and other Prabhupada disciples. The Yagya was followed by gratitude to various sponsors and contributors who help temple during Marathon each year. This was followed by Prize Distribution of the Value Education Olympiad organized by ISKCON Punjabi Bagh, with participation from more than 6,000 students of 22 schools in Delhi. The Top 10 winners of the Olympiad were felicitated and handed over attractive prizes (Laptops, Bicycles and Kindles). The students also shared their experiences while preparing for the Olympiad and their parents were happy that their children could learn important values of life through this initiative

Mokshda Ekadashi, advent of Srimad Bhagavad-gita (8th December) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

Bhagavad Gita also known as the Gitopanishad or 'the song of the Lord' is a treatise for perfecting human life. It transcends all limitations of time, place and circumstance to instruct mankind on the path of spiritual upliftment. Gita has been acknowledged all over the world as a sacred text which continues to guide people towards purification of consciousness in order to surrender to the Lord and take to His service eternally. Gita was spoken by the Lord Himself to His dearest friend Arjuna, around five thousand years ago. It contains the most practical knowledge about the soul, Supersoul and the relation between the two. It educates on how one must act, live and grow as a spiritual being. The advent of Bhagavad-gita or Gita Jayanti was celebrated on 8th December. There was a special discourse on the relevance and significance of this age old wisdom. Devotees chanted all the seven hundred shlokas from the Gita. The ongoing book marathon saw an increase in the number of books on this auspicious occasion. Devotees worked hard to spread this transcendental message to achieve perfection and the most sublime goal of human life.



Sports Day for Teenage forum (8th Dec) (ISKCON, Punjabi Bagh)

A sports event was organized for the teenage forum. The program began with dancing on Madhavas tracks. This was followed by a creative activity – devotees created an organ (a sense organ) out of waste, stones and leaves. After the activity, there was a small discussion about the usage of that organ and its role in spirituality. The event also comprised of fun-filled games. The program concluded with Ekadashi prasadam for everyone.

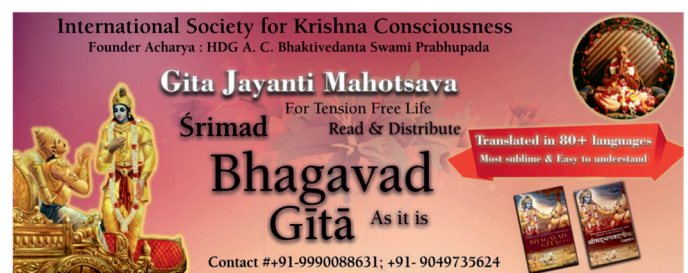


मोक्षदा एकादशी—श्रीमद भगवद—गीता का प्रादुर्भाव

(8 दिसंबर)

(इस्कॉन, सभी दिल्ली—एनसीआर मंदिर)

भगवद गीता को गीतोपनिषद् या श्मगवान्का गीतश के रूप में भी जाना जाता है, यह मानव जीवन को परिपूर्ण बनाने हेतु एक उत्कृष्ट ग्रंथ है। यह आध्यात्मिक उत्थान के पथ पर मानव जाति का निर्देशन करने हेतु देश, काल और परिस्थिति की सभी सीमाओं से परे है। गीता को दुनिया भर में एक पवित्र आलेख के रूप में स्वीकार किया गया है जो लोगों को प्रभु के प्रति आत्मसमर्पण करने एवं अनंत काल तक उनकी सेवा में रत रहने को चेतना की शुद्धि हेतु मार्गदर्शन करता है। गीता, लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व भगवान ने अपने परम प्रिय मित्र अर्जुन को सुनाई थी। इसमें आत्मा एवं परमात्मा तथा दोनों के बीच परस्पर संबंध के विषय में सबसे व्यावहारिक ज्ञान मिलता है। यह किसी भी व्यक्ति को शिक्षित कर, एक आध्यात्मिक स्फुलिंग के रूप में उसकी कार्यप्रणाली, जीवन तथा वृद्धि सुनिश्चित करता है। भगवद—गीता का प्रादुर्भाव या गीता—जयंती 8 दिसंबर को मनाई गई। इस प्राचीन कालीन ज्ञान की प्रासंगिकता और महत्व पर एक विशेष प्रवचन आयोजित किया गया। भक्तों ने गीता के सभी सात सौ श्लोकों का जाप किया। इस शुभ अवसर पर सुचारु पुस्तक मैराथन में पुस्तकों की संख्या में वृद्धि देखी गई। भक्तों ने पूर्णता एवं मानव जीवन के सबसे उदात्त लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस दिव्य संदेश को बाँटने के लिए कड़ी मेहनत की।



किशोर मंच हेतु क्रीड़ा दिवस (8 दिसंबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

किशोर मंच हेतु एक क्रीड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत माधवास की धुनों पर नृत्य के साथ हुई। तदोपरांत एक रचनात्मक गतिविधि हुई – भक्तों ने कचरे, पत्थर और पत्तियों से एक अंग बनाया। गतिविधि के उपरांत, उस अंग के उपयोग और आध्यात्मिकता में उसकी भूमिका पर एक छोटी सी चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में मजेदार खेल भी शामिल थे। सभी के लिए एकादशी प्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Prem Kirtan Mela (8th Dec) (ISKCON, Rohini)

The devotees observed not only 'Mokshada Ekadashi' but also witnessed its first ever 'Kirtan Mela'. Month long preparations fructified into a grandharinama mela on this day. The slogan for the mela was 'CHANT FROM YOUR HEART'. As the temple is in the final stages of its completion, the mela was dedicated to its grand opening in 2020. The Adhivas Ceremony was held on 7th Dec. Along with famed Kirtanias like H.G.Yashomati Devi Dasi (Mayapur), H.G.Vishakha Devi Dasi (Mayapur), H.G.Sriniket Das (Delhi), H.G.Subala Gopal Das (Noida, etc. instrument players such as H.G. Sri Bhakti Das (Sitar), Bhakta Krishna (Flute) & H.G.Bhaktivinoda Das (Mridanga) made the mela a grand success & enthralled one & all in the melody of sankirtan. Adivas Ceremony was presided over by H.H.Sachinandana Swami Maharaja & Kirtan Mela was inaugurated by H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja. H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja also gave morning Srimad Bhagavatam class and led the kirtan for an hour. He stressed upon the significance of the Holy Name in this age of Kali.



9) Spirituality and Psychiatry (10th Dec) (ISKCON, Punjabi Bagh)

H.G. PremanjanaPrabhu participated in a session organized in for a group of doctors and Medical officers at ESI Hospital, Punjabi Bagh on the topic of 'Spirituality and Psychiatry'. The entire event was organized by Dr. Rakesh Jangid (Head of Department-Psychiatry). The participants were also introduced to the Japa meditation on Hare Krishna Mahamantra. The crowd was inquisitive, as well as objective and rational, in analyzing the subject matter and the session received much appreciation from the authorities.



प्रेम कीर्तन मेला (8 दिसंबर) (इस्कॉन, रोहिणी)

इस्कॉन रोहिणी मंदिर में भक्तों ने न केवल श्मोक्षदा एकादशी मनाई, बल्कि वहाँ प्रथम श्कीर्तन मेला के साक्षी भी बने। महीने भर की तैयारियों की परिणति एक भव्य हरिनाम मेले में रूप में मिली। मेले का नारा था, 'हृदय से जपिए' ('CHANT FROM YOUR HEART')। जैसा कि मंदिर पूर्णता के अपने अंतिम चरण में है, यह कीर्तन मेला 2020 में अपने भव्य उद्घाटन को समर्पित रहा। 7 दिसंबर को आदिवास समारोह आयोजित किया गया था। साथ ही साथ सुश्री यशोमती देवी दासी (मायापुर), सुश्री विशाखा देवी दासी (मायापुर), श्रीमान श्रीनिकेत दास (दिल्ली), श्रीमान सुबल गोपाल दास (नोएडा), आदि वाद्यंत्रों हेतु श्रीमान श्री भक्ति दास (सितार), भक्त कृष्ण (बांसुरी) और श्रीमान भक्तिविनोद दास (मृदंगा) जैसे प्रसिद्ध कीर्तनीय भक्तों ने संकीर्तन की धुन में सभी को मंत्रमुग्ध कर कीर्तन मेला को एक शानदार सफलता दिलाई। आदिवास समारोह की अध्यक्षता परम पूज्य सचिनंदन स्वामी महाराज और कीर्तन मेला का उद्घाटन परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा किया गया। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने सुबह श्रीमद्भागवतम् प्रवचन भी दिया तथा उन्होंने कलिकाल के इस युग में पवित्र हरिनाम के महत्व पर जोर देकर 1 घंटे तक कीर्तन का सञ्चालन भी किया।



9) आध्यात्मिकता और मनश्चिकित्सा (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

श्रीमान प्रेमांजन प्रभु ने श्छाध्यात्म एवं मनश्चिकित्सा विषय पर ईएसआई अस्पताल, पंजाबी बाग में डॉक्टरों और चिकित्सा अधिकारियों के एक समूह हेतु आयोजित एक सत्र में भाग लिया। पूरा आयोजन डॉ. राकेश जांगिड़ (मनश्चिकित्सा विभाग-प्रमुख) द्वारा आयोजित किया गया था। प्रतिभागियों को हरे कृष्ण महा-मंत्र का जप भी प्रस्तावित किया गया। उपस्थित जन, विषय वस्तु के प्रति जिज्ञासु तथा सत्र के उद्देश्य का तर्कसंगत विश्लेषण करने वाले थे साथ ही सत्र को अधिकारियों से बहुत सराहना मिली।

Harinama Sankirtan (14th Dec) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Youth Forum, Dwarka, carried an ecstatic harinamsankirtan at Janakpuri C 4E market. All the people of the locality were mesmerized with sankirtan and they also started chanting and dancing with the devotees. All young devotees were distributing books enthusiastically and each devotee was putting his heart in distributing the message of Krishna to conditioned souls.

Disappearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (16th December) (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The disappearance day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura was celebrated with pushpanjali, kirtan and glorification. The disappearance days of acharyas are special days to seek their favour. Devotees remembered the instructions of the 'lion Guru'. His unflinching faith in the process prescribed by Chaitanya Mahaprabhu is the foundation of Gaudiya Sampradaya. Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura travelled across India to educate people about the principles of bhakti. His vision of educated Indians to be engaged in spreading Vaishnavism was accepted and fulfilled by his disciple A.C. Bhaktivedanta Swami Srila Prabhupada. His efforts to revive the Vaishnava movement saw its culmination in the spread of the Krishna consciousness movement, all across the globe, through ISKCON.



Vrindavana Yatra (21st December) (ISKCON, East of Kailash)

Two Ashraya groups of the Namahatta went to Vrindavana on 21st December. Almost 40 devotees boarded buses on the chilling winter morning. Chanting japa and kirtan, devotees reached the holy land of Vrindavana. For a devotee visiting dhama is to reminisce the pastimes of the Lord, hear about the Lord's infinite potencies and relish the nectarean relationship



हरिनाम संकीर्तन (14 दिसंबर) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन यूथ फोरम, द्वारका, ने जनकपुरी C 4E मार्केट में एक परम आनंद दायक हरिनाम संकीर्तन का आयोजन किया। उस क्षेत्र के सभी लोग संकीर्तन से मंत्रमुग्ध हो गए और उन्होंने भी भक्तों के साथ मंत्रोच्चार और नृत्य करना शुरू कर दिया। सभी युवा भक्त उत्साह के साथ पुस्तकों का वितरण कर रहे थे और प्रत्येक भक्त बद्ध आत्माओं को कृष्ण के संदेश को वितरित करने में सम्पूर्ण हृदय से अपना योगदान दे रहा था।

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव दिवस (16 दिसंबर) (इस्कॉन, सभी दिल्ली-एनसीआर मंदिर)

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि, कीर्तन और उनकी महिमा गायन के साथ मनाया गया। आचार्यों के तिरोभाव दिवस उनकी कृपा प्राप्ति के लिए विशेष दिन होते हैं। भक्तों ने 'सिंह-गुरु' के निर्देशों को याद किया। चौतन्त्र महाप्रभु द्वारा निर्धारित प्रक्रिया में उनका असीम विश्वास गौड़ीय सम्प्रदायकी नींव है। श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर ने भक्ति के सिद्धांतों के विषय में लोगों को शिक्षित करने हेतु सम्पूर्ण भारतवर्ष की यात्रा की। शिक्षित भारतीयों को वैष्णववाद के प्रसार में लगाने के उनके दृष्टिकोण को उनके शिष्य ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद ने स्वीकारा तथा पूरा किया। वैष्णव आंदोलन को पुनर्जीवित करने के उनके प्रयासों ने इस्कॉन के माध्यम से दुनिया भर में कृष्णभावनामृत आंदोलन के प्रसार में इसकी परिणति देखी।



वृंदावन यात्रा (21 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

नामहट्ट के दो आश्रय समूहों ने 21 दिसंबर को श्रीधाम वृंदावन की यात्रा की। सर्द सुबह में लगभग 40 श्रद्धालु भक्त बसों में सवार हो जप और कीर्तन करते हुए वृंदावन की पवित्र भूमि पर पहुंचे। धाम यात्रा पर जाने वाले भक्त को भगवान की अनंत शक्तियों का स्मरण, भगवान की लीलाओं के बारे में सुनना-मनन करना तथा भक्तों एवं उनके आराध्य भगवान के मध्य अमृतमयी संबंधों को पुनः-पुनः स्मरण करना चाहिए। भक्तों ने कृष्ण-बलराम मंदिर के 24 घंटे कीर्तन में भाग लेने से पहले वृंदावन के राधा-दामोदर मंदिर और राधा-गोकुलानंद आदि मंदिरों की यात्रा की। दिल्ली लौटते हुए, भक्तों ने यात्रा के विषय में यात्रा वृत्तांत के साथ-साथ अपने प्राप्त अनुभवों को साझा किया। एक भक्त ने कहा — 'भक्तों का संग ही आध्यात्मिक उन्नति की कुंजी है'। एक अन्य ने कहा कि, ऐसी यात्राओं के माध्यम से हमें स्वयं

between the devotees and their worshipable Lord. The group visited Radha Damodara and Radha Gokulananda temples of Vrindavana before taking part in the 24 hour kirtan at the Krishna Balarama Temple. Returning to Delhi, the devotees shared their realisations about the trip and what was their take away - "Association is the key to spiritual advancement", said one devotee. Another piped in, "It's important to remind ourselves of the teachings of various acharyas in our parampara." The short trip recharged the spiritual batteries of the group, providing the much-needed solace from material pangs as well as motivated devotees to increase their devotional practices.

Seminar on Grihastha Counselling (25th December) (ISKCON, East of Kailash)

KCmatches.com is a matrimonial portal catering to devotees from all across the globe, assisting them in finding a suitable life partner for themselves. Understanding the need for better relationships and sacred marriages, the team of KCmatches.com organised this seminar. His Grace Amogh Lila Prabhu, Vice President, Dwarka Temple, was the speaker. In his signature, humorous style, he addressed some of the burning issues pertaining to husband-wife relationship and marriage. The focal point of the talk was to put marriage into a spiritual perspective, to give it the much needed direction through scriptural injunctions and devotional mood. Roles of a husband and wife were discussed, the need to strike a perfect balance between duty and devotional practice were also brought to the fore. Youngsters from the Delhi-NCR region were exposed to the urgent need of developing an appropriate consciousness and attitude towards a spouse. He answered candid questions put forth by the audience and encouraged them to seek guidance and support along with showing seriousness in investing in relationships for development and propagation of Vedic culture and spiritual life.

Resolution for Revolution (25th December) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Youth Forum in its continuous endeavor to educate modern youth organized an interesting seminar titled "Resolution for revolution." The seminar was delivered by H.G. Amogh Lila Prabhu, ISKCON Dwarka, Vice President. As new year is approaching, youths try to make different kinds of resolutions to progress intellectually, physically and emotionally but they lack spiritual quotient which leads to failure of their resolutions. The young were given some practical lessons from Bhagavad-gita on how to live a value-based life. The program was followed by a birthday celebration and prasadam.



को अपनी परम्परा के विभिन्न आचार्यों की शिक्षाओंका स्मरण कराते रहना महत्वपूर्ण है। छोटी सी दो दिवसीय यात्रा ने भक्त समूह में आध्यात्मिकता का पुनः संचार कर दिया, जिससे भक्तों को अपनी भक्ति बढ़ाने हेतु प्रेरित करने के साथ-साथ ही भौतिक कष्टों और वेदनाओं से भी राहत प्रदान करने हेतु अतिआवश्यक हल प्रदान किया।

गृहस्थ परामर्श पर संगोष्ठी (25 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

KCmatches-com दुनिया भर के भक्तों हेतु एक वैवाहिक प्रवेश द्वार है, जो उनके लिए एक उपयुक्त जीवनसाथी खोजने में उनकी सहायता करता है। अपेक्षाकृत अधिक रिश्तों तथा पवित्र विवाह की आवश्यकता को समझते हुए, KCmatches.com की टीम ने इस सेमिनार का आयोजन किया। श्रीमान अमोघ लीला प्रभु, द्वारका मंदिर के उपाध्यक्ष, प्रमुख वक्ता रहे। अपनी चिरपरिचित हास्य परिपूर्ण शैली में, उन्होंने पति-पत्नी के रिश्ते और विवाह से संबंधित कुछ ज्वलंत मुद्दों को संबोधित किया। संगोष्ठी का केंद्रबिंदु शादी को आध्यात्मिक परिप्रेक्ष्य में रखना था, ताकि इसे शास्त्र संबंधी निषेधाज्ञा और भक्ति के विचार के माध्यम से परम आवश्यक दिशा दी जा सके। एक पति और पत्नी की भूमिका पर चर्चा की गई, कर्तव्य और भक्ति के अभ्यास के मध्य आदर्श संतुलन स्थापित करने की आवश्यकता को भी सामने लाया गया। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के युवाओं को जीवनसाथी के प्रति एक उपयुक्त चेतना एवं दृष्टिकोण विकसित करने की तत्काल आवश्यकता से अवगत कराया गया। उन्होंने श्रोताओं द्वारा किये गए प्रश्नों का स्पष्ट उत्तर दिया और उन्हें वैदिक संस्कृति और आध्यात्मिक जीवन के विकास एवं प्रचार हेतु रिश्तों में निवेश करने में गंभीरता दिखाने के साथ उचित मार्गदर्शन और समर्थन प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया।



क्रांति हेतु संकल्प (25 दिसंबर) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन युवा मंच ने आधुनिक युवाओं को शिक्षित करने के अपने सतत प्रयास में 'क्रांति हेतु संकल्प' शीर्षक से एक रोचक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में वक्तव्य श्रीमान अमोघ लीला प्रभु, इस्कॉन द्वारका, उपाध्यक्ष द्वारा दिया गया। जैसे-जैसे नया साल पास आ रहा है, युवावर्ग, बौद्धिक, शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से प्रगति करने हेतु विभिन्न प्रकार के संकल्प लेने का प्रयास करते हैं, परन्तु उन संकल्पों में आध्यात्मिक भाग की कमी होती है, जिससे कि उनके संकल्प असफल हो जाते हैं। युवाओं को मूल्य-आधारित जीवन जीने कला पर श्रीमद् भगवद-गीता से कुछ व्यावहारिक शिक्षा भी दी गई। कार्यक्रम उपरांत जन्मदिन का उत्सव और प्रसादम हुआ।

Srila Jiva Goswami Disappearance Day (29th December) (ISKCON, East of Kailash)

The disappearance of Srila Jiva Goswami was celebrated with kirtan, chanting, bhajans and pushpanjali. The Acharya was remembered for his erudite contribution to the rich literature of the Vaishnava tradition.

Vartalaap - The Journey of Inspiration (Dec 2019) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Two new episodes of the unique talk show 'Vartalaap' were released in ISKCON Punjabi Bagh's new Jigyasa YouTube channel and across other social media platforms. This month's episodes were with very special guests – H.G. Pankajanghri Prabhu and H. G. Gauranga Prabhu. The devotee community are feeling extremely nourished and enriched by the experiences being shared by the leaders on this show and are feeling really inspired to further improve their personal practices and services.



Celebration of New Year (31st December) (ISKCON, East of Kailash)

ISKCON, East of Kailash hosts an Annual New Year Party, on 31st December. This is a party with a difference. It focusses on heralding the New Year with chanting, dancing and remembering the Lord. Bhakti makes everything auspicious. Celebrating a special occasion on the basis of the principles of bhakti surcharges the atmosphere with an all benign current. Bringing in the New Year by adding Krishna to the celebration is a unique way of purifying one's consciousness. The program included soulful kirtan, chanting of the Mahamantra. Spiritual discourse by H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja replete with instruction to make best use of one's time and energy were appreciated by all. Dance and drama of based on teachings of the Gita and the pastimes of the Lord enthralled the audience.



श्रील जीव गोस्वामी तिरोभाव दिवस (29 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रीलजीव गोस्वामी जी का तिरोभाव दिवस कीर्तन, जप, भजन एवं पुष्पांजलि के साथ मनाया गया। आचार्य को वैष्णव परंपरा के समृद्ध साहित्य में उनके विद्वत्तापूर्ण योगदान हेतु याद किया जाता है।



वार्तालाप—एक प्रेरक यात्रा (दिसम्बर 2019) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग के नए यूट्यूब चैनल जिग्यासा एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर "अद्वितीय टॉक शो वार्तालाप" के दो नए एपिसोड जारी किए गए। इस महीने के एपिसोड बहुत ही खास मेहमानों के साथ रहे – श्रीमान पंकजआंग्री प्रभु एवं श्रीमान गौरांग प्रभु। भक्त समुदाय इस शो पर अपने अग्रणी भक्तों द्वारा साझा किए जा रहे अनुभवों के कारण स्वयं को आध्यात्मिक रूप से बेहद पोषित एवं समृद्ध अनुभव कर वास्तव में अपने निजी भक्ति अभ्यासों और सेवाओं को उन्नत बनाने हेतु प्रेरित अनुभव कर रहे हैं।

आंग्ल-नववर्ष का समारोह (31 दिसंबर) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश 31 दिसंबर को वार्षिक आंग्ल-नववर्ष उत्सव का आयोजन करता है। यह एक अलग उत्सव है। यह जप, नृत्य और भगवत स्मरण के संग आंग्ल-नववर्ष की घोषणा पर केंद्रित है। भक्ति सब कुछ शुभ बनाती है। भक्ति के सैद्धांतिक आधार पर, किसी विशेष अवसर का उत्सव, वातावरण को सौम्य बनाकर वर्तमान को पूर्णता प्रदान करता है। उत्सव में कृष्ण को जोड़कर एक नववर्ष में प्रवेश, किसी की चेतना को शुद्ध करने का एक अनूठा तरीका है। कार्यक्रम में आत्मीय कीर्तन, महामंत्र का जाप शामिल था। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज द्वारा अपने समय एवं ऊर्जा का सद उपयोग करने के निर्देश से परिपूर्ण आध्यात्मिक प्रवचन सभी के द्वारा सराहा गया। गीता की शिक्षाओं एवं भगवान की लीलाओं पर आधारित नृत्य और नाटक ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।



TOLERANCE – THE QUALITY

We hear people speak a lot about competitiveness and assertiveness. It is no longer the era of showing the other cheek, we hear people say. Gentleness and humility are no longer viewed as strengths, but as debilitating weaknesses. You can't afford to become a doormat for others in trying to follow such lofty ideals. The kingdom of God may belong to the humble and meek, but the kingdom of Earth belongs to the strong and aggressive. This is the philosophy of the new order.

So, isn't tolerance the crown jewel of the sadhu anymore (sadhavah sadhu-bhushanah)? Does tolerance have no relevance in today's competitive world? Let us find out.

The first instruction that Lord Krishna gives to us in the Bhagavad-gita is about our real nature. He says we're spirit and we're eternal. He also hints about the non-permanent nature of the body we've been forced to accept. Just like we change bodies from boyhood to youth to old age even in this lifetime, we have to accept another body after death.

The issue here is that our actual nature as spirit is quite contrary to the nature that we've been forced to accept. We, the spirit, endure. The body doesn't. We're eternal. The body is not. We don't change. The body does. Thus this is an incompatible situation — a truly uncomfortable one.

It is human nature that whenever we're in a hostile and unnatural environment, we undergo distress. For instance, we cannot stay in water for long. This is because water is not a natural environment for us.



We belong to the land. On land too, we cannot stay in a foreign and alien country for long. So, what do we do when we're forced to accept unfamiliar conditions? We try to adjust to the conditions.

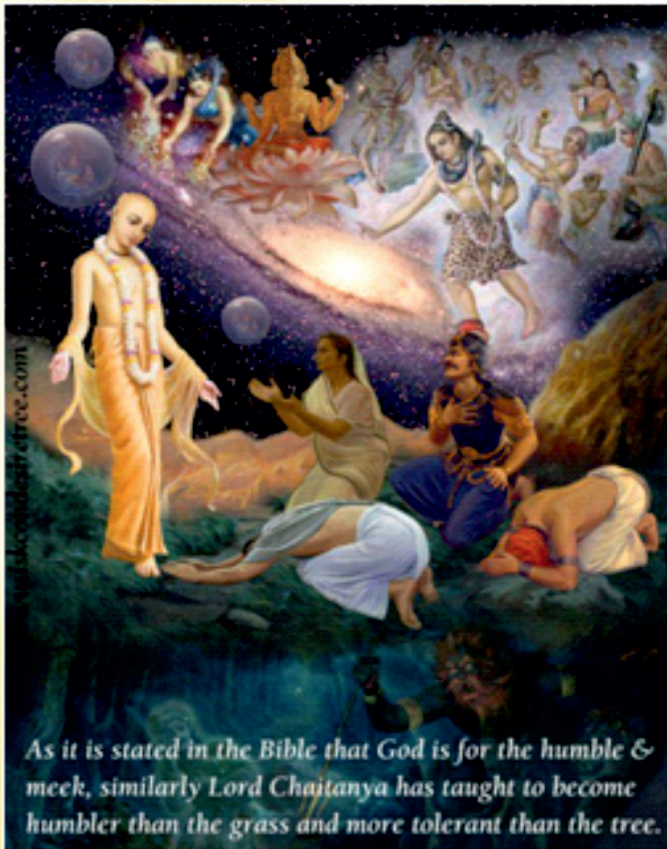
When astronauts are trained to travel into space (which is not our natural environment), they're put through grueling endurance building exercises. A basic astronaut training schedule runs for over two years. Candidates are put through various atmospheric conditions, such as low pressure or high pressure conditions. They're given endurance training in swimming pools and isolated sleep chambers. They're exposed to zero gravity conditions in a simulated environment. All these arduous exercises are to equip a probable astronaut to "tolerate" the hostile and unnatural environment he or she would face up above the world so high.

**One has to learn tolerance
in the face of dualities such
as happiness and distress,
or cold and warmth, and
by tolerating such dualities
become free from anxieties
regarding gain and loss.**

**Bhagavad-gita 2.45,
Srila Prabhupada**



ALITY OF A DOORMAT



The purpose doesn't stop there. Why do they have to "tolerate" the environment? It is because they have other more important tasks to carry out. If they succumb to the vagaries of the external environment, they will get bogged down by it and be unable to carry out their responsibilities. Therefore, they need to learn to "tolerate" the environment and perform their "duty."

This is exactly what the Lord does in the Bhagavad-gita too. After introducing the concept of the soul, the second concept that the Lord introduces us to in the beginning of the Second Chapter is tolerance. We as eternal spirits have been forced to accept temporary material bodies. Because of this unnatural environment, the spirit will have to undergo many distresses. The Lord advises us to just tolerate (*tams titikshasvabharata*).

To what end does a human being tolerate the extremities of this material world? The Lord answers by introducing us to the third concept—duty (*karmanyevadhikaraste*). Only if we learn to tolerate, shall we be able to carry out our duties properly. People, who are overcome by the difficulties the external environment poses, get bogged down by it and give up their duties, or try to minimize the effects of the

environment by artificial means such as intoxication, etc. Both are not advisable.

Hence, we have a threefold responsibility to carry out:

1. one, realize our true nature as spirit, part and parcel of the Supreme Spirit;
2. two, tolerate the difficulties posed by the unnatural environment that we've been put into; and
3. three, carry out our eternal duties of bhakti-yoga by following the instructions of our spiritual master.

By carrying out these responsibilities, we'll soon become eligible to give up the encumbrances of the temporary nature and go back to the actual world where we belong — the world where every step is a dance, every word is a song, and our loving Father, Sri Krishna, eagerly awaits our arrival.

Tolerance is therefore not an impractical concept or a lofty ideal; it is a reality of life. Bhagavad-gita, which gives human kind the information about these essential "life skills" is therefore not a religious book. It is a manual for the entire mankind for wholesome living.



Upcoming events:

6 Wonder formulas for Successful Year, 5th January (ISKCON, Dwarka)

This seminar will be delivered by H.G. Amal Krishna Prabhu to educate the audience on how to lead a fulfilling and successful 2020. The Seminar will be followed by a delicious feast dinner.

Srila Gopala Bhatta Goswami Appearance (15th January) (ISKCON, East of Kailash)

Born in an Iyengar family in Sri Rangam, Srila Gopala Bhatta Goswami is one of the six principal Goswamis of Vrindavana. His first meeting with Sri Chaitanya Mahaprabhu was when Mahaprabhu spent the four months of Chaturmasya in his home. Serving Mahaprabhu under the guidance of his able father, Gopala Bhatta Goswami, vowed to offer his life in service to the Lord Himself. Taking His instructions to heart, he dedicated his birth to the writing of transcendental literature and re-establishing the lost Vaishnava tradition. His appearance day will be celebrated with kirtan, glorification, pushpanjali and a feast.

Srila Raghunatha Dasa Goswami Appearance (30th January) (ISKCON, East of Kailash)

The appearance day of great acharyas is an auspicious occasion to revisit their glorious service at the lotus feet of their spiritual master. It is also a day to celebrate proximity in their association through instructions and literature, left behind as guiding lights. Srila Raghunatha Dasa Goswami served Sri Chaitanya Mahaprabhu, by offering his services for the resurrection of the Gaudiya Madhava Sampradaya. Upholding the values of simplicity, humility and absolute surrender to the will of the Lord, he exemplified devotional behaviour, etiquette and attitude. His appearance day will be celebrated with pushpanjali, kirtan and glorification.

Natural Hair Colors



100% Natural Hair Colors from
Natural Henna and Herbs
100% Chemical-free Hair Colors

**For Natural-looking,
Vibrant and Shiny Hair
For Both Men and Women**

Contact: 9311310999
Email: hennaandherbs@gmail.com

आगामी कार्यक्रम

सफल वर्ष हेतु 6 आश्चर्य जनक सूत्र (5 जनवरी) (इस्कॉन, द्वारका)

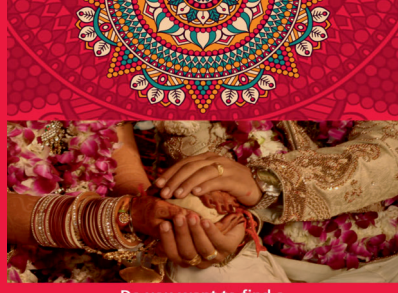
इस संगोष्ठी में श्रीमान अमल कृष्ण प्रभु द्वारा श्रोताओं को शिक्षित करने हेतु संबोधित किया जाएगा कि कैसे एक परिपूर्ण एवं सफल 2020 का संचालन किया जाए। सेमिनार के अंत में एक स्वादिष्ट भोज प्रसाद भी होगा।

श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी आविर्भाव दिवस (15 जनवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्री रंगम में एक आर्यगर परिवार में जन्मे, श्रील गोपाल भट्ट गोस्वामी, वृंदावन के छह प्रमुख गोस्वामियों में से एक हैं। श्री चौतन्य महाप्रभु से उनकी पहली मुलाकात तब हुई जब महाप्रभु ने चातुर्मास्य के चार महीने उनके घर में बिताए। अपने समर्थ पिता के मार्गदर्शन में महाप्रभु की सेवा करते हुए, गोपाल भट्ट गोस्वामी ने भगवान की सेवा में अपना जीवन स्वयं समर्पित करने का प्रण लिया। भगवान् के निर्देशों को हृदय में धारण करते हुए, उन्होंने अपना जन्म दिव्य साहित्य लेखन हेतु तथा विलुप्त हुई वैष्णव परंपरा की पुनः स्थापना में समर्पित कर दिया। उनका आविर्भाव दिवस कीर्तन, महिमा-मंडन, पुष्पांजलि एवं भोज प्रसाद के साथ मनाया जाएगा।

श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी आविर्भाव (30 जनवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

महान आचार्यों का आविर्भाव दिवस उनके आध्यात्मिक गुरु के चरण कमलों में उनकी गौरवमयी सेवा के पुनः प्रकटीकरण का एक शुभ अवसर है। यह उनके साहित्य एवं निर्देशों के माध्यम से जिसे वे मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में अपने पीछे छोड़ गये हैं, उनके सामीप्य तथा संगत में उत्सव मनाने का दिन है। श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी ने गौड़ीय मध्व सम्प्रदाय के पुनरोत्थान हेतु अपनी सेवाएं प्रदान कर श्री चौतन्य महाप्रभु को भी अपनी सेवा द्वारा सेवित किया। भगवान की इच्छा के लिए सादगी, विनम्रता और पूर्ण-समर्पण के मूल्यों को उजागर करते हुए, उन्होंने भक्तिपूर्ण व्यवहार, शिष्टाचार और दृष्टिकोण का अनुकरण किया। उनके आविर्भाव दिवस को पुष्पांजलि, कीर्तन और महिमा-गायन के साथ मनाया जाएगा।



Do you want to find a
Vaishnava Partner
for a
Krishna conscious
marriage???

Look no further....

Please sign up on
www.kcmatches.com

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram
Or 119, VIIT Computer Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Srinivas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New
Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Lajpat Nagar – 7pm. Every MONDAY at Sant Kanwar Ram Mandir,
Jal Vihar Road, Lajpat Nagar-2, New Delhi. Contact : 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Vaikuntha Fun School, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC
Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, PUNJABI BAGH

Kirti Nagar- Shemrock heights Play School- E-77,
opp. Kotak Mahindra Bank. Centre Coordinator- Krishna Murari
Prabhuj- 9868387810

Paschim Vihar- 344, Pragati Apartments, club road Punjabi bagh, Centre
Co-ordinator- Jahanvi Mataji 9250637080, Parul prabhuj- 9971493379

Rani Bagh- OM Public School, Furniture Market, Rishi Nagar.
Centre Co-ordinator Vikas Singhal- 9654690503,
Sadhyavilasini Mataji – 9212400126

Vishal Enclave- Kidz Liliput- B33 Vishal Enclave, Rajouri Garden,
Centre Coordinator- Kavita Gulati Mataji -8447487375

Shastri Nagar WZ-38, opposite Mother Dairy,
Centre Coordinator- Vaibhav Gupta Prabhuj- 9868036006,
9213432666, Sadhya Krishan Prabhuj- 9999840554

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna
Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

S.G.N. WEALTH ADVISORY SERVICES

Cont : 9212743876, 8851942718

Email: srigaurharidas@gmail.com

Financial Planing • Tax Planing • Health Planing
Mutual Funds • Bank F.D. • General/Life Insurance

Bonita
Changing the way you live



LAUNDRY | ORGANIZING | STORAGE | KITCHEN

www.bonitaglobal.com | sales@bonitaglobal.com | +91 8130577666

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,

West Punjabi Bagh, Delhi-26

Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075

Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/

Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,

Badshahpur, Gurugram, Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,

C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad, Phone : 0129-4145231

Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,

Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799

Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,

Sector-25, Rohini New Delhi 110085

Phone: +91-9871276969

Email: iskcon.rohini@gmail.com

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com



Transcendental Dining Experience

GOVINDA'S
PURE VEGETARIAN RESTAURANT

Only Restaurant in Delhi serving unique
Multi-Cuisine traditional feast of 56 varieties
of dishes under one roof...

Facilities for Corporate Meetings / Seminars /
Weddings / Birthday / Reception etc. from
Minimum 30 to 600 persons. We undertake
Outdoor Catering services as well.

- Wide selection of Snacks & Desserts
- Multi Cuisine Menu
- Unique Ambience
- Theme Decor Arrangement

ISKCON Temple Complex, Sant Nagar,
East of Kailash, New Delhi-110065

98718 63733 | 9650800328 | 011-41094042

Lunch
12.30 to 3.30 pm

Snacks
4.00 to 6.30 pm

Dinner
7.00 to 10.00 pm